मॉड्यूल
9

अतिरिक्त गतिविधि संग्रह

→ लेखन कौशल विकास

LLF Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

RE-IMAGINING FUTURES
TISS Centre of Excellence in Teacher Education

TATA TRUSTS

© लैंग्वेज एंड लर्निंग फ़ाउंडेशन

इस संदर्शिका या इसके किसी अंश का किसी भी तरह प्रकाशन, वितरण या पुनः प्रकाशन लैंग्वेज एंड लर्निंग फ़ाउंडेशन की लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता।

ऑफिस पता : डी–26, एन.डी.एस.ई. पार्ट–2, प्रथम तल, नई दिल्ली–110049
वेबसाइट : www.languageandlearningfoundation.org
ईमेल : info@languageandlearningfoundation.org

ले–आउट एवं ग्राफिक डिज़ाइन
प्रेमचंद सैनी (ग्राफिक डिज़ाइनर) जयपुर, राजस्थान

खंड - 1

संरचनाबद्ध लेखन विकास

1 शब्दों की वर्ग पहेली

10 मिनट

इस गतिविधि में बच्चे खाली वर्ग में वर्ण/अक्षर लिखकर शब्द बनाते हैं। **सामग्री** : कागज़ पर लिखी वर्ग पहेली

- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बाँट दें।
- हर समूह को एक वर्ग पहेली बना कर दें।
- यह खेल ज़्यादा कठिन न हो, इसके लिए शुरुआत में ऐसी वर्ग पहेली लिखें जिसमें केवल शब्दों का अंतिम वर्ण/अक्षर न लिखा हो। यह ध्यान रखें कि शब्द आसान और मज़ेदार हों।
- उदाहरण के लिए चित्र में दी गई वर्ग पहेली देखें। यहाँ कुछ शब्द जो बन सकते हैं, वे हैं– काका, काकी, पापा, पानी, सिर, सिल शीशा, चूहा, चूज़ा आदि।
- बच्चों को निर्धारित समय में यह वर्ग पहेली पूरी करने के लिए दें।
- किसी समूह का काम जल्दी समाप्त होने पर आप उन्हें दिए गए वर्ण/अक्षर से एक से अधिक शब्द बनाने के लिए कहें।

का	
पा	
सि	
शी	
चू	

2 जानी- पहचानी चीज़ें

20 मिनट

इस खेल से बच्चे विषय सूची बनाना सीख पाएँगे व संरचनात्मक लेखन की ओर बढ़ेंगे। **सामग्री** : चॉक, डस्टर, कॉपी, पेंसिल

- रोज़ में काम आने वाली चीज़ों का कोई एक समूह चुन लें जैसे बर्तन, कपड़े, गाड़ियाँ आदि।
- अब इस समूह के अंतर्गत आने वाली चीज़ों के नाम बच्चों से पूछें। जैसे बर्तन के अंतर्गत चम्मच, डेगची, पतीली आदि। बच्चों द्वारा बताए गए नामों की सूची बोर्ड पर बनाएँ।
- बच्चों को दिए गए विषय पर सोचने के लिए कहें कि जैसे कि उनके घर कि रसोई में क्या–क्या है या उनके घर में कौन–कौन से कपड़े हैं। व बोर्ड पर दिए गए नामों से ऐसी चीज़ों के नाम अपनी कॉपी में लिखने के लिए कहें जो उनके घर में हैं। चुने गए समूह के अनुसार प्रश्न बदला जा सकता है।
- आप बच्चों को वाक्य भी दे सकते हैं जैसे कि मेरी रसोई में ..... है। बच्चे इसी वाक्य संरचना का उपयोग करते हुए अन्य वाक्य लिख सकते हैं।

3 स्थानीय भ्रमण से जुड़ा लेखन

15 मिनट

बच्चे अवलोकन के आधार पर अपने विचार रख पाएँगे।

सामग्री : चॉक, बोर्ड, डस्टर, कॉपी

- बच्चों को बाहर सैर के लिए लेकर जाएँ। उन्हें रास्ते में गिरी अलग–अलग तरह की दस पत्तियाँ बीनने के लिए कहें।
- वापस आकर बच्चों को अपनी–अपनी पत्तियों का अवलोकन करने को कहें।
- कक्षा एक में उन्हें यह भी लिखने को कहें कि उन्हें अपनी पत्ती किस वस्तु के समान लग रही है। बच्चे उसका नाम भी लिखें, जैसे–मछली जैसी, चिड़िया जैसी इत्यादि।
- शिक्षक बोर्ड पर पूरा वाक्य बच्चों के लिए लिख दें। केवल उस वस्तु के नाम के लिए जगह छोड़ दें जिसकी तरह बच्चों को अपनी पत्ती लग रही है।
- बच्चों से चर्चा करने के बाद शिक्षक एक उदाहरण भी बोर्ड पर लिख दें और बच्चों को भी वाक्य में लिखने के लिए कहें, जैसे– मेरी पत्ती..... .. जैसी लग रही है। लिखने में बच्चों को एक–दूसरे की, आसपास लगी लिखित सामग्री की मदद लेने के लिए भी कहें।

इस गतिविधि की जटिलता कक्षा के स्तर अनुरूप बढ़ाई जा सकती है। बच्चों को आसपास की वस्तुओं, जगहों, त्योहारों आदि पर लिखने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

4 नामों का संग्रह

20 मिनट

बच्चे विभिन्न तरह की सूची बनाना व उसका विश्लेषण करना सीख पाएँगे।

सामग्री : चॉक, बोर्ड, डस्टर, कॉपी, पेंसिल

- बच्चे जहाँ कहीं भी रहते हैं उन्हें वहाँ तरह–तरह के नाम दुकानों, बसों, जगहों के नाम या मील दूरी के निशान पत्थरों और दीवारों पर मिल जाएँगे।
- बच्चों को घर से स्कूल के रास्ते में दिखने वाले नामों की सूची बनाने को कहें।
- सभी नामों को ब्लैकबोर्ड पर लिख कर एक–एक कर बच्चों से पूछें कि उन्होंने वह नाम कहाँ देखा था और ये नाम क्या बताता है।

शिक्षक बच्चों को उनकी कॉपी में अपने बताए नामों को लिखने या खुद से सूची बनाने के लिए भी कह सकते हैं।

खंड-2

लेखन रचना (अभिव्यक्ति)

19 खाने-पीने की चीज़ों की विधि

30 मिनट

बच्चों को लिखने व पढ़ने के रोचक अवसर देना।

सामग्री : कुछ नहीं

- खाने–पीने की चीज़ों से सभी का जुड़ाव होता है इसलिए बच्चों के पढ़ने–लिखने के अवसरों में यह एक ऐसा रोचक विषय है जिसमें बच्चे और बड़े दोनों को मज़ा आता है।
- जब हम कक्षा में खाने–पीने की चीज़ें बनाने की विधि की बात कर रहे हैं तो हमारा उद्देश्य नए–नए पकवान आदि ढूँढ़ना नहीं है इसलिए ऐसी चीज़ों का चुनाव करें जो बच्चे रोज़ खाते–पीते हों और जिनकी बनाने की विधि भी आसान हो, जैसे– नींबू पानी, शरबत, भेल–पूरी, रोटी, चाट बनाना आदि। शिक्षक ऐसी चीज़ें भी चुन सकते हैं जिन्हें कक्षा में बनाना मुमकिन हो और जिनको बनाने के लिए गैस चूल्हे की आवश्यता न हो।
- इस गतिविधि के लिए पूर्व में निर्देश दें ताकि सभी बच्चे अपने घर से थोड़ा–थोड़ा सामान लाएँ, कक्षा में बनाएँ और चखें।
- कक्षा में सबके सामने उस चीज़ को बना लेने के बाद, शिक्षक बच्चों की सहायता से बनाने की विधि बोर्ड या चार्ट पर लिखें और उँगली रख कर उसे पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को यह विधि अपनी कॉपी में लिखने के लिए कहें।
- बच्चों से घर में बनने वाली चीज़ों का अवलोकन करने के लिए कहें, जैसे– दाल, रोटी, चाय, पकवान आदि।
- अगले दिन कक्षा में इन चीज़ों को बनाने की विधि पर चर्चा करते हुए, उसे लिखने के लिए कहें।
- विधि लिखने की प्रक्रिया अन्य चीज़ों के साथ भी की जा सकती है, जैसे कागज़ से नाव बनाना, चिड़िया बनाना, मिट्टी से खिलौने बनाना आदि।

20 कहानी के पात्र पर वाक्य

15 मिनट

कहानी या पात्र के बारे में अपने विचार को लिख पाना।

सामग्री : कॉपी, पेंसिल

- शिक्षक बच्चों को कहानी में आए किसी एक पात्र या पसंदीदा घटना को चुनने को कहें।
- बच्चे उस घटना या पात्र के लिए एक चित्र बनाएँगे। इसके बाद वे उस पर 5 वाक्य लिखें।
- इस तरह की गतिविधि किसी घटना, कविता या चित्र के लिए भी की जा सकती है।

21 बुकमार्क बनाना

20 मिनट

कहानी पर आधारित सारांश लिखना।

सामग्री : कॉपी, पेंसिल

- बच्चे किसी कहानी या कविता पर आधारित बुकमार्क बनाएँ। बुकमार्क में एक तरफ़ अपने पसंदीदा पात्र का चित्र बनाएँ व उसकी एक ख़ास बात लिखें। दूसरी तरफ़ कहानी का शीर्षक और लेखक का नाम लिखें।
- शिक्षक बच्चों को कहानी/कविता की कोई सबसे पसंदीदा बात भी लिखने को कह सकते हैं।
- बच्चे अपने बनाए इस बुकमार्क को अपनी किताबों में उस जगह लगाकर छोड़ें जहाँ उन्होंने किताब से आखिरी पाठ पढ़ा था। यह गतिविधि बच्चों को त्यौहार के मौकों पर भी कराई जा सकती है और बच्चे एक–दूसरे को अपना बनाया बुकमार्क तोहफ़े की तरह दे सकते हैं।

22 चित्र विवरण

30 मिनट

चित्रों के बारे में अपने शब्दों में लिख पाना।

सामग्री : बच्चों की रुचि व स्तर अनुसार चित्र

- बच्चों की रुचि के अनुसार अखबार या पत्रिका में से कुछ चित्र काटकर कक्षा में प्रदर्शित कर, उन पर चर्चा संभव है। ध्यान रखें कि चित्र अकार्षक हों और उन पर बातचीत करने की भरपूर संभावनाएँ हों।
- चित्र चुनते समय इन बिंदुओं पर ध्यान देना ज़रूरी है–
  - रोचकता
  - स्पष्टता
  - बच्चों के परिवेश से जुड़ाव
  - किसी भी तरह की हिंसा से मुक्त
- बच्चों के परिवेश से सीधा जुड़ा चित्र न होने पर उस चित्र के बारे में पहले ही बच्चों से बातचीत करें। उदाहरणः अगर दिल्ली मैट्रो रेल के बारे में चित्र है तो चित्र दिखाते समय बच्चों को उसके बारे में विस्तार से बताएँ। स्थानीय यातायात के साधनों के बारे में भी चर्चा की जा सकती है।
- बच्चों के साथ बैठकर चित्र पर चर्चा करें और बच्चों के विवरण को बोर्ड/चार्ट पर लिखें, बच्चों के साथ मिलकर पढ़ें। स्थानीय/क्षेत्रीय त्यौहारों से जुड़े चित्र, स्थानीय घटना आदि से जुड़े चित्र, चित्र–विवरण एवं लेखन के विषय हो सकते हैं।